ज्ञानविविधा
कला, मानविकी और सामाजिक विज्ञान की सहकर्मी-समीक्षित, मूल्यांकित, त्रैमासिक शोध पत्रिका

ISSN : 3048-4537(Online)
3049-2327(Print)
IIFS Impact Factor-2.25
Vol.-2; Issue-2 (Apr.-June) 2025
Page No.- 08-11
©2025 Gyanvividha
https://journal.gyanvividha.com
Author's :

1. **रामानुज निषाद**
   लाइब्रेरियन (अतिथि), शासकीय इंद्रावती कॉलेज, भोपालपटनम, बीजापुर, छत्तीसगढ़, भारत.
2. **श्रीमती सुधा गोयल**
   सहायक प्रोफेसर, संदीपनी अकादमी, पेंड्री, मस्तूरी, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, भारत.
3. **श्रीमती गुलाब पाठक**
   सहायक प्राध्यापक, सीएमडी पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, भारत.
4. **अंजलि दुबे**
   प्रधानाचार्य, अघोर विद्या पीठ, पोंडी दल्हा, अकलतरा, जांजगीर- चांपा, छत्तीसगढ़, भारत.

Corresponding Author :

रामानुज निषाद
लाइब्रेरियन (अतिथि), शासकीय इंद्रावती कॉलेज, भोपालपटनम, बीजापुर, छत्तीसगढ़, भारत.

कला एकीकृत शिक्षण : मुद्दे एवं चुनौतियां

सार : कला-एकीकृत सीखने की पेचीदगियों और शिक्षकों और छात्रों दोनों के लिए शिक्षण और सीखने को बढ़ाने के लिए इसके विभिन्न लाभों की जाँच करता है। कलाएँ छात्रों को ज्ञान के निर्माण के लिए उपकरण प्रदान करती हैं। कलाएँ छात्रों को अपनी कला-संबंधी बुद्धिमत्ता को लागू करने के लिए प्रोत्साहित करती हैं ताकि नई जानकारी को अवधारणाओं में समझा और व्यवस्थित किया जा सके जिसका उपयोग अर्थ बनाने के लिए किया जाता है। कलाएँ स्कूलों में शिक्षण और सीखने की प्रक्रिया में कई तरह की भूमिकाएँ निभाती हैं। शिक्षाविदों को कक्षा में समय बिताने और यह समझने की ज़रूरत है कि स्कूलों में वास्तव में क्या हो रहा है। अध्ययनों से पता चलता है कि स्कूलों में कलात्मक प्रयासों में शामिल होना न केवल कला के लिए फायदेमंद है, बल्कि छात्रों के सीखने को बढ़ाने की क्षमता भी रखता है। पिछले शोधकर्ताओं के दार्शनिक रुख के बावजूद, सभी प्रतिष्ठित शैक्षिक विशेषज्ञ इस बात पर सहमत थे कि कलाएँ शिक्षण और सीखने की प्रक्रिया में सकारात्मक योगदान देती हैं। यह अवधारणा पत्र जो विभिन्न रिपोर्टों, दस्तावेजों और शोध पत्रों की समीक्षाओं पर आधारित है, गणित और भाषा कला जैसे शैक्षणिक विषयों में कला के संपर्क और छात्र उपलब्धि के बीच संबंध का वर्णन किया गया है, और विज्ञान कक्षाओं में कला-एकीकृत सीखने के महत्व को विस्तार से समझाया गया है। कला के माध्यम से सीखने से छात्रों को दृश्य, नाटकीय और संगीत कलाओं का उपयोग करके विषय-वस्तु से संबंधित सामग्री से अर्थ बनाने का अवसर मिलता है। यह शोधपत्र कक्षाओं में कला एकीकरण के तौर-तरीकों और शिक्षण के

लिए कला-एकीकृत दृष्टिकोण के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए शिक्षकों के प्रशिक्षण की आवश्यकता एवम कला एकीकृत शिक्षण मुद्दे एवं चुनौतियों का पता लगाता है।

मुख्य शब्द: कला, शिक्षण, सीखने, प्रशिक्षण, एकीकृत।

परिचय :

कला एकीकरण शिक्षाशास्त्र एक ऐसी रणनीति है जो कला मानकों को पाठ्यचर्या गतिविधियों के साथ जोड़ती है ताकि आकर्षक संदर्भ प्रदान किया जा सके। इसे सीखने के परिणामों को बढ़ाने के लिए कला के साथ और कला के माध्यम से सीखने की शैक्षणिक सामग्री के रूप में वर्णित किया गया है, कला गतिविधियों को पाठ्यचर्या कनेक्शन प्रक्रिया के रूप में, और कला से जुड़ी शिक्षा को सीखने की गतिविधि के साथ सहयोगात्मक जुड़ाव को बढ़ावा देने के तरीके के रूप में वर्णित किया गया है। छात्र भागीदारी कला एकीकरण शिक्षाशास्त्र का एक प्रमुख पहलू है। जब कक्षा में कला को एकीकृत किया जाता है तो छात्र अपने सीखने में सक्रिय भागीदार बन जाते हैं। यह स्व-शिक्षण और व्यक्तिगत सीखने का अवसर प्रदान करता है। वर्णनात्मक प्रवृत्ति के अनुसार, जिन छात्रों ने कला एकीकरण का अनुभव किया, उनके सफलता परिणाम बेहतर थे। यदि प्राथमिक छात्र की शैक्षिक योजना में कला को शामिल किया जाता है, तो बच्चा अधिक संलग्न हो सकता है और कला एकीकरण के अनुभवों से लाभ उठा सकता है (ज़ांडो, 2020)। कला एकीकरण छात्रों को जोड़ने का तरीका हो (मैककैली, 2022)। कला छात्रों के शैक्षणिक परिणामों में सुधार करती है,सीखने, सीखने की घटनाओं की स्मृति को बढ़ाती है।इसके अतिरिक्त, बहु-कला एकीकरण और छात्र जुड़ाव,रचनात्मकता/आलोचनात्मक सोच, आत्म-प्रभावकारिता,प्रेरणा और गणितीय दक्षता के लाभों के बीच एक अनुकूल संबंध का प्रमाण था। (हार्डिमैन एट अल., 2007; स्क्रिप्स और पैराडिस, 2014)।

कला एकीकरण का अर्थ

कला एकीकरण नामक शिक्षण की एक व्यापक विधि आलोचनात्मक सोच, रचनात्मकता और सक्रिय सीखने को बढ़ावा देती है। शरीर, मन, आत्मा और भावनाओं की अन्योन्याश्रयता को स्वीकार किया जाता है (समग्र कला शिक्षा और कलात्मक विकास, 2023)। यह एक क्रॉस-पाठ्यचर्या शैक्षिक रणनीति है जहाँ बच्चे को खुद को अभिव्यक्त करने के लिए पर्याप्त जगह और स्वतंत्रता दी जाती है। ये शिक्षाशास्त्र बच्चों को स्कूल में सीखी गई बातों और उनके दैनिक जीवन के बीच संबंध बनाने में मदद करते हैं। यह पढ़ाई में आनंद और खुशी जोड़ता है। यह कलात्मक उत्कृष्टता के बारे में नहीं है, बल्कि किसी विषय को समझाने के लिए कला का उपयोग करने के बारे में है। कला में भाग लेने के दौरान शिक्षार्थी विभिन्न चरणों से गुजरते हैं, जिसमें देखना, सोचना, कल्पना करना, जांच करना, प्रयास करना शामिल है।

कला एकीकृत शिक्षण: मुद्दे एवं चुनौतियां

कला एकीकरण के लिए में अपनी भूमिका में, जब मैं सहयोग का प्रस्ताव रखता था तो मैं अक्सर शिक्षकों को यह कहते हुए सुनता था कि उन्हें हमेशा समय की कमी महसूस होती है। उनके लिए, कला एकीकरण के साथ खेलने के लिए एक या दो मूल्यवान कक्षा अवधि लेने का मतलब होगा कि उनके पास अपनी सामग्री को कवर करने के लिए एक या दो दिन कम होंगे। फिर भी मेरे अनुभव में, कलाओं को एकीकृत करने के तरीके खोजने से सीखना रोमांचक और आकर्षक हो जाता है- छात्र और शिक्षक दोनों के

लिए; इसका अनिवार्य रुप से अधिक समय का मतलब है मैंने, ज़्यादातर शिक्षकों की तरह, देखा है कि जब शिक्षार्थी जुड़े होते हैं तो वे अवधारणाओं को अधिक गहराई से सीखते हैं और उस ज्ञान को अन्य संदर्भों में स्थानांतरित करने में सक्षम होते हैं; अधिकांश शिक्षकों के लिए, किसी विषय-वस्तु को 'कवर' करने के लिए पर्याप्त समय होने की चिंता बेमानी हो जाती है। डर एक और बड़ी चुनौती है जिसका मैंने कला एकीकरण में सामना किया है। जबकि यह कई तरीकों से सामने आता है, आज मैं उस डर पर ध्यान केंद्रित करने जा रहा हूँ जो ज्ञान की कमी से उपजा है। क्योंकि "मूलभूत कला एकीकरण" के लिए अलग-अलग विषय-वस्तु या अनुशासनात्मक क्षेत्रों में गहन जांच की आवश्यकता होती है, कभी-कभी न जानने का डर हमें आगे बढ़ने से रोक सकता है। कला एकीकरण की सहयोगी प्रकृति को अपनाने से हम अपने ज्ञान को साझा कर सकते हैं और वास्तव में अपने ज्ञानकोष को बढ़ा सकते हैं। हर चीज के लिए अलग-थलग और जिम्मेदार महसूस करने के बजाय, कला एकीकरण हमें सहयोगात्मक रुप से काम करने की अनुमति देता है, जिससे हम अपने छात्रों के साथ आजीवन सीखने वाले बन जाते हैं। रिक, एक प्रतिभाशाली शिक्षण कलाकार और नाट्य माइम, जिनके पास थिएटर में एमएफए है, ने नृत्य के कला रुप के अपने ज्ञान को सामने लाया। और शिक्षिका ने गणित में अपनी विशेषज्ञता लाई। जब दोनों शिक्षकों ने समतलीय ज्यामिति को समझने में विद्यार्थियों के समक्ष आने वाली चुनौतियों के बारे में बात की, तो वे सहयोगात्मक रुप से एक आकर्षक पाठ पर पहुंचे, जिसमें भौतिक गति के माध्यम से ग्राफिंग और x-y-z निर्देशांक समतलों, दो आयामों से आगे बढ़कर तीन आयामों तक जाने के बारे में सिखाया गया।इस प्रकार समय की कमी, प्रशिक्षण की कमी सही योजना आदि कला एकीकरण के मुख्या मुद्दें एवम चुनौतिया है ।

निष्कर्ष :

प्रमुख निष्कर्ष यह है कि कक्षा में कला एकीकृत शिक्षण दृष्टिकोण समावेशिता को बढ़ावा देता है और यह बच्चों को अभिनव तरीके से काम करने के लिए प्रोत्साहित करता है ।यह व्यक्तिगत अंतर, निर्णय लेने की संभावना, सहयोगी शिक्षण, आनंदमय शिक्षण, समग्र विकास, व्यक्तिगत शिक्षण, आत्म-अभिव्यक्ति को बढ़ावा, समावेशी कक्षा संस्कृति को भी बढ़ावा देता है। कला एकीकरण का उपयोग उन अवधारणाओं को सिखाने के लिए किया जा सकता है जिन्हें पारंपरिक पद्धति से आसानी से नहीं सीखा जा सकता है। विभिन्न कला रुपों का उपयोग अमूर्त अवधारणाओं को बहुत आसानी और रुचि के साथ पढ़ाने में सक्षम बनाता है और यह छात्रों की अवधारण क्षमता को भी बढ़ाता है जो आगे चलकर समग्र दृष्टिकोण और समग्र विकास को बढ़ावा देता है। मुख्य निष्कर्ष बताते हैं कि कला एकीकरण छात्रों की भागीदारी, जुड़ाव और सशक्तिकरण को बढ़ाने के लिए उत्प्रेरक का काम करता है। कलात्मक गतिविधियों की समग्र प्रकृति अलग-अलग निर्देश, सहयोगी शिक्षा और व्यक्तिगत अभिव्यक्ति की अनुमति देती है, जो व्यक्तिगत शिक्षार्थियों की विभिन्न शक्तियों को पूरा करती है।

सन्दर्भ :

1. बॉतिस्ता, ए., टैन, एल.एस., पोन्नुसामी, एल.डी., और याउ, एक्स. (2015)। कला शिक्षा में पाठ्यक्रम एकीकरण: 'स्पेस' की धारणा के माध्यम से कई कला रुपों को जोड़ना। पाठ्यक्रम अध्ययन पत्रिका। DOI: 10.1080/00220272.1089940, 1-19।
2. ब्लागोएवा, एन.वी., कार्पिनन, एस., और कैरवुओरी, एस. (2019)। स्कूल के बाद की

गतिविधि कक्षाओं में दृश्य कला सिखाने का एकीकृत दृष्टिकोण। 2018, NSEAD/जॉन विले एंड संस लिमिटेड DOI: 10.1111/jade.12173,264-239।

3. फगन, एल.एम. (2015)। छात्र सीखने में सुधार के लिए कला एकीकरण के बारे में प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों की धारणा। वाल्डेन विश्वविद्यालय, शिक्षा महाविद्यालय।
4. हार्डिमा, एम.एम., जॉनबुल, आर.एम., कैरन, डी.टी. और शेल्टन, ए. (2019)। विज्ञान सामग्री के लिए स्मृति पर कला-एकीकृत निर्देश का प्रभाव। तंत्रिका विज्ञान और शिक्षा में रुझान। DOI: 10.1016/j.tine, 25-32।
5. कबन, बी. (2017)। कला और इतिहास को एकीकृत करना: मिडिल स्कूल कक्षा के लिए एक मॉडल। मिडिल लेवल शिक्षा में वर्तमान मुद्दे, 22 (1), 10-30
6. केनेडी, जे.एफ. (2014)। कला एकीकरण के एक दशक में एक नज़र। जर्नल फॉर लर्निंग थ्रू द आर्ट्स, 10(1), 3-18।
7. खान, एम.एम.एच और अली, एस.एल. (2016)। ललित कला शिक्षा का महत्व और अवलोकन। जर्नल ऑफ रिसर्च इन ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंस, 4 (10), 67-70.www.questjournals.org।
8. लेमन, एन और सुज़ैन, जी. (2013). प्राथमिक विद्यालय में कला की भूमिका क्या है? ऑस्ट्रेलिया में प्री-सर्विस शिक्षकों की धारणाओं की जांच. ऑस्ट्रेलियन जर्नल ऑफ़ टीचर एजुकेशन, 38 (9), 1-10.
9. मार्शल, जे. (2014). कला-केंद्रित एकीकृत शिक्षा के माध्यम से शिक्षा को बदलना. दृश्य जांच: सीखना और सिखाना. DOI: 10.1386/vi, 3(3), 361-376.
10. मैथ्यूज, जे. एल. (2001). शहरी मैग्नेट स्कूल में तीसरी, चौथी और पाँचवीं कक्षा के छात्रों की पढ़ने की उपलब्धि पर ललित कला एकीकरण का प्रभाव. शोध प्रबंध सार अंतर्राष्ट्रीय, 62, 2674A.
11. मिलर, जे. ए. और बोगाटोवा, टी. (2018). कला एकीकरण कार्यक्रम और पाठों का प्रभाव. कला के माध्यम से सीखने के लिए जर्नल, 14 (1), 1-23. DOI 10.21977/D914128357.
12. मिलिगन, ए., और वुड, बी. (2010). संक्रमण बिंदुओं के रूप में वैचारिक समझ: एक जटिल सामाजिक दुनिया को समझना. पाठ्यक्रम अध्ययन पत्रिका.
13. NCERT (2005). राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा (NCF) 2005, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली.
14. ओरेक, बी. (2006). कलात्मक विकल्प: कक्षा में कला का उपयोग करने वाले शिक्षकों का एक अध्ययन. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड द आर्ट्स, 7(8), 1-26.
15. पर्नेल, पी. (2004). कला के लिए एक स्थान: अतीत, वर्तमान और शिक्षक की धारणाएँ. टीचिंग आर्टिस्ट जर्नल, 2(3), 153-161. रूनी, आर. (2004). आर्ट्स-बी

•